19. कहानी-लेखन

कोई भी सीख या शिक्षा देने के लिए माता-पिता या बड़े-बूढ़े बच्चों को कहानियाँ सुनाते हैं क्योंकि कहानियाँ किसी भी बात को बालक के मन तक पहुँचाने का सबसे उत्तम साधन या माध्यम माना जाता है। कहानी सभी को भाती है। यह केवल मनोरंजन का साधन मात्र नहीं हैं अपितु ये भाषा की एक रचनात्मक विधा भी है। कहानी-लेखन एक कला है जिसमें अभ्यास और कल्पनाशक्ति द्वारा कुशलता प्राप्त होती है।

- ❖ अध्यापक/अध्यापिका पाठ में दी नई कहानियाँ बच्चों से पढ़वाएँ। कहानी की शिक्षा या सीख पर बच्चों से चर्चा करें।
- ❖ कहानियों के संबंध में बच्चों की रुचि बनाए रखने के लिए पाठ में दी गई कहानी के बारे में पूछें, यदि ऐसा होता तो क्या होता। यदि ऐसा नहीं होता तो क्या होता आदि द्वारा बच्चों से कहानी का अलग अंत या विस्तार जानने का प्रयास करें।
- ❖ सभी बच्चों के विचारों को जानने की कोशिश करें।
- ❖ बच्चों से किसी विषय पर छोटी-छोटी कहानी बनाने को भी कहा जा सकता है।
- ❖ अभ्यास के लिए दी गई क, ख, ग कहानियों के संकेत बिंदुओं पर चर्चा करते हुए, कहानियाँ लिखने में सहायता करें।
- ❖ कहानियों से मिलने वाली शिक्षा पर भी चर्चा करें।